हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 30 .0 डिग्री
न्यूनतम 14 .2 डिग्री

12 हीफा अवॉर्ड्स में छाया रेवाड़ी, हरियाणवी वीडियो गीत प्रतियोगिता में मिला विजेता व उपविजेता का खिताब

12 एक सप्ताह गिरावट के बाद पारा चढ़ना शुरू 60 लाख यूनिट से कम आई बिजली की खपत

खबर संक्षेप

अपहरण व पोक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 4 अक्टूबर को अपहरण और पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। राजस्थान के एक युवक पर पीड़ित पक्ष की ओर से आरोप लगाया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के शक्तपुरा निवासी कपिल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 11 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। जांच के बाद इस मामले में पुलिस ने यूपी के गाजियाबाद निवासी विजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। कसोला थाना पुलिस ने 28 सितंबर को हुए हादसे के बाद फरार हुए चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने सुठानी निवासी दिलबाग को गिरफ्तार किया है। उसकी कार भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। उसकी कार की चपेट में आकर एक युवक घायल हो गया था। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने 11 अक्टूबर को हुए हादसे में आरोपी चालक यूपी के बाजपुर निवासी आसिर अली को गिरफ्तार कर लिया।

एक्साइज एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत गत वर्ष दर्ज किए गए एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध अहाता चलाने के आरोप में गत वर्ष 8 जून को एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। अहाता संचालक मौका पाकर फरार होने में कामयाब गया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के माजरा काठ निवासी अमित चौधरी को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में तीन महिला गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सनसिटी सोसायटी में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 9 अक्टूबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने सोसायटी निवासी भारती, संगीता व जेजे कॉलोनी दिल्ली निवासी संतोष को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। गत 8 अक्टूबर को पुलिस शिकायत में झोलरी निवासी ईश्वर ने बताया था कि वह अपने खेत में बाइक लेकर गया था। बाइक उसके दामाद प्रीतम के नाम पर पंजीकृत है। जब वह खेत में काम कर रहा था, तो उसकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

गत वर्ष की अपेक्षा दोगुने दामों में मिल रही एक ट्राली मिट्टी

दीपावली पर रोशन होगा कुंभकारों की उम्मीदों का दीपक, डिमांड बढ़ने के साथ दाम में उछाल

मिट्टी के आइटम बनाने के लिए तेजी से घूम रहा चाक का पहिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दीपावली के त्योहार पर मिट्टी के दीपक व हाट सहित अन्य आइटम तैयार करने के लिए कुंभकारों के चाक का पहिया तेजी से घूम रहा है। इस बार दीपक बनाने के लिए उपयोग में आने वाली चिकनी मिट्टी के दाम भी दोगुने हो गए है, जिससे दीयों के दाम भी कुछ बढ़ गए है। कुंभकारों की ओर से प्रतिवर्ष श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के बाद नवरात्र की शुरूआत में ही मिट्टी के दीपक बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाता है। दीपावली के त्योहार के नजदीक आने के साथ कुंभकार समाज के लोग युद्धस्तर पर कार्य कर मिट्टी के दीपक तैयार करने में जुटे हुए है। दीपक व अन्य आइटम तैयार करके बाजारों में बेचने के लिए भेजे जा रहे है। प्रजापत समाज के लोग मिट्टी से बने दीपक, गणेश-लक्ष्मी की प्रतिमाएं, हाट व मंदिर सहित अन्य आइटम बनाने व उन्हें आग में पकाकर रंग-रोगन करके बाजार में बिक्री के लिए भेज रहे है। बाजार में रंग-बिरंगे कलर से सजाएं हुए मिट्टी के दीयों की भी काफी डिमांड है। रेवाड़ी में बने दीये शहर के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम व अलवर तक बिक्री के लिए भेजे जाते है।

दीपावली तक होगा लाखों रुपये का व्यापार

कुंभकार समाज की ओर से बनाए गए दीपक, भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की मूर्तियां दीपावली के 5 दिवसीय त्योहार के मौके पर घरों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर लगाए जाते है। नवरात्र के दौरान कुम्हार परिवार दीये व मूर्तियां बनाने के कार्य में जुट गए थे। दीपावली पर कुम्हार परिवारों को अच्छा रोजगार मिल जाता है। शहर के कुतुबपुर व अन्य स्थानों पर रहने वाले सैकड़ों कुम्हार परिवार दीपावली के दिनों में मिट्टी के दीपक व मूर्तियां बनाने का कार्य करते है। दीपकों की बिक्री से इन परिवारों को लाखों रुपये की आय होती है। हालांकि पहले करीब एक हजार कुम्हार परिवार दीये बनाने का कार्य करते थे, लेकिन अब यह करोबार करीब 70 परिवारों में सिमट कर रह गया है।

कुंभकारों की ओर से प्रतिवर्ष श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के बाद नवरात्र की शुरूआत में ही मिट्टी के दीपक बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाता है

रेवाड़ी। कुतुबपुर में मिट्टी के दीये बनाते हुए प्रभु दयाल

बाजार में रंग-बिरंगे कलर से सजाएं हुए मिट्टी के दीयों की भी काफी डिमांड है

रेवाड़ी में बने दीये शहर के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम व अलवर तक बिक्री के लिए भेजे जाते है

रेवाड़ी में दीये बनाने के लिए झज्जर लोहारी व पटौदी से मिट्टी मंगवाई

कुतुबपुर निवासी कुंभकार प्रभुदयाल, राजेन्द्र, यश कमार व आशा देवी ने बताया कि गत वर्ष की अपेक्षा इस बार मिट्टी की ट्राली के दाम दोगुने बढ़ गए है। पहले 4000 की ट्राली थी, जोकि अब 8000 रुपये की हो गई है। साधा मिट्टी में लाल मिट्टी मिलाने के बाद उसकी कुटाई कर उसका बुरादा तैयार किया जाता है और उसको बड़ी छलनी से छानकर व कई दिनों तक पानी में भिगोया जाता है। भिगोने से चिकनी होने के बाद उस मिट्टी से दीपक व अन्य सामान बनाए जाते है। कुंभकार दयाराम ने बताया कि इस बार मिट्टी मिलने में भी दिक्कत हो रही है। रेवाड़ी में दीये बनाने के लिए झज्जर लोहारी व पटौदी से मिट्टी मंगवाई जाती है। इस वर्ष छोटे दीपक थोक में 80 से 100 रुपये के हिसाब से है, वहीं बाजार में 120 से 130 रुपये के सौ दीये बिक रहे है। बड़ा दीपक थोक में 10 रुपये नग, हाट 70 रुपये व मंदिर 200 रुपये में मिल रहा है। इसके अलावा कमोई थोक में 30 रुपये का जोड़ा व बाजार में 60 रुपये जोड़ा बिक रही है।

रेवाड़ी। लाइट के कट भी कर रहे परेशान

बाजार में मिट्टी के दीयों की डिमांड बढ़ने के कारण कुम्हारों के चाक की रफ्तार भी तेज हो गई है। बाजारों में जहां मिट्टी के बर्तनों की मांग बढ़ी है, वहीं चाइनीज सामान और फैंसी आइटमों की डिमांड कम देखी जा रही है। बाजार में पारंपरिक वस्तुएं सजा दी गई हैं। इनमें मिट्टी के दीपक आकर्षण का प्रमुख कारण बने हुए हैं। मिट्टी के दीपक के आगे चाइनीज लड़ियों की चमक फीकी पड़ चुकी है। कुंभकारों की ओर से एक दशक से इलेक्ट्रिक चाक का प्रयोग किया जा रहा है। कुंभकार राजेन्द्र ने बताया कि बिजली के कटों के कारण भी दीये बनाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। बिजली आने पर दीपक बनाने के लिए देर रात तक कार्य किया जा रहा है, क्योंकि दिन के कम समय में बिजली मिल पा रही है।

दीपावली के लिए मिट्टी के दीये बनाते हुए दयाराम।

बलबीर धनखड़ को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

रेवाड़ी। दिल्ली में आयोजित समारोह में उपाधि ग्रहण करते हुए बलबीर धनखड़।

रेवाड़ी। राज्य परिवहन प्राधिकरण के टीएसआई बलबीर धनखड़ इटली की क्यूनिओ यूनिवर्सिटी ने डाक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत किया है। यूनिवर्सिटी की ओर से रविवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बलबीर धनखड़ को उपाधि प्रदान की गई। आरटीए कार्यालय नारनौल में टीएसआई के पद पर कार्यरत सेक्टर-3 निवासी बलबीर धनखड़ का समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्हें सोशल वर्क के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ फैलोशिप की उपाधि से नवाजा है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उपाधि मिलने के बाद आरटीए कार्यालय के स्टाफ, उनके सहयोगी रहे सरदार जसबीर सिंह व अन्य ने उन्हें बधाई दी है।

गैराज से दो मोबाइल फोन व नकदी चोरी, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शुक्रवार की रात खिजूरी के पास एक बॉडी मेकर गैराज से कर्मचारियों के दो मोबाइल फोन व नकदी चोरी हो गए। गैराज मालिक ने सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद वारदात के चंद घंटों बाद ही आरोपी को पकड़ लिया। उसके कब्जे से मोबाइज फोन व नकदी बरामद हो गए। गैराज मालिक ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। मुरादपुरी निवासी बलजीत ने खिजूरी के पास मोटर बॉडी गैराज की हुई है। उसके पास गैराज में यूपी के बुडैन निवासी ओमप्रकाश और एमपी के संजरा निवासी देवेंद्र काम करते हैं। शुक्रवार की रात एक युवक गैराज में दीवार फांदकर घुस गया। वह ओमप्रकाश का मोबाइल फोन व 5400 रुपये तथा देवेंद्र का मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। सीसीटीवी कैमरे में युवक चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए साफ दिखाई दे रहा है। बलजीत ने सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद आरोपी की अपने स्तर पर तलाश शुरू कर दी। गैराज के आसपास तलाश करने पर एक युवक दिखाई दिया, जिसकी तलाशी लेने पर जेब से नकदी व मोबाइल फोन मिल गए। उसने पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आशियाकी टप्पा कसोला निवासी गौरव बताया। पुलिस ने बलजीत की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया।

सीसीटीवी कैमरे में युवक चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए साफ दिखाई दिया

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी गौरव।

कैमरे में युवक चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए साफ दिखाई दे रहा

तीन और मोबाइल फोन भी बरामद

बलजीत ने जब आरोपी गौरव की तलाशी ली, तो उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद हो गया। उसकी जेब से तीन मोबाइल फोन और मिले, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह पहले भी मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। यह मोबाइल फोन चोरी किए हुए माने जा रहे हैं। पुलिस पता लगाने के लिए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

विवाहिता के साथ मारपीट, पति सहित चार के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली स्टेशन क्षेत्र के साल्हावास रोड़ पर रह रही मूलरूप से धनिया गांव की एक विवाहिता के साथ शनिवार को उसके पति, जेठ व जेठानी ने मारपीट की तथा घर में बांधकर फरार हो गए। विवाहिता की ओर से डायल 112 नंबर पर काल करने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा कोसली अस्पताल में पहुंचाया। विवाहिता पिंकी के सोनीपत जिले के खरखौदा गांव निवासी भाई गौरव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बहन पिंकी की शादी चार साल पहले धनिया गांव के धर्मेन्द्र के साथ हुई थी। शादी के बाद उनकी बहन पिंकी को कोई बच्चा नहीं हुआ, जिसके कारण ससुराल वाले उसे प्रताड़ति तथा उसके साथ मारपीट करते थे, जिसके कारण वह अलग होकर रेलवे स्टेशन कोसली भाकली-2 में रहने लग गई थी। शनिवार रात को उनकी बहन के पति धर्मेन्द्र, जेठ सुभाष व जेठानी बाली ने घर में घुसकर उनकी बहन के साथ बुरी तरह मारपीट की तथा तीनों ने मिलकर उसको बाध दिया तथा जान से मारने की कोशिश की। मारपीट में पिंकी को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने पीड़ता के भाई की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

हरियाणा ओलंपिक गेम्स के लिए पुरुष बास्केटबॉल टीम का चयन

रेवाड़ी। रेवाड़ी बास्केटबॉल संघ की ओर से रविवार को 2 नवम्बर से आयोजित होने जा रहे 27वें हरियाणा ओलंपिक गेम्स जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए बास्केटबॉल की पुरुष टीम का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया का आयोजन गांव संगवाडी के राजकीय विद्यालय में किया गया। इस मौके पर हरियाणा राज्य बास्केटबॉल संघ की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक दीपक शर्मा, संगवाडी गांव के सरपंच राम सिंह छावडी व जिला बास्केटबॉल संघ के चयन कमेटी के सदस्य उपस्थित थे। चयनित खिलाडी 27वें हरियाणा ओलंपिक गेम्स की बास्केटबॉल प्रतियोगिता में जिला रेवाड़ी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विजेताओं को सम्मानित किया गया

द्वितीय वालीबॉल प्रतियोगिता में अंकित पथरेड़ी की टीम बनी विजेता

रेवाड़ी। जिला वालीबॉल संघ की ओर से ढालियावास सेक्टर-18 में द्वितीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी राहुल यादव व नई दिशा युवा मंच के संयोजक एडवोकेट निशांत यादव ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में आसपास के क्षेत्र की 47 टीमों ने भाग लिया, जिसमे अंकित पथरेड़ी की टीम विजेती बनी। प्रतियोगिता में रामगढ़, ढालियावास, मामड़यि, गिव स्टार क्लब, गोशाला क्लब सेक्टर-19, टींट व महम सहित 47 टीमों ने भाग लिया। स्पर्धा में अंकित पथरेड़ी की टीम ने प्रथम, विकास जी नानू की टीम ने दूसरा, चुलियाना ने तीसरा तथा पापोसा भिवानी की टीम ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। प्रथम विजेता को 21 हजार, उपविजेता को 11 हजार, तृतीय को 3100 व चतुर्थ विजेता को 2100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

रेवाड़ी। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए अतिथि।

इसके अलावा पांचवें से आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 1100-1100 रुपये प्रोत्साहन राशि दी गई। इस मौके पर समाजसेवी राहुल यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बड़े प्लेटफॉर्मों का मंच तैयार करते हैं। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य खेर सिंह व ढालियावास सरपंच बलराज सहित काफी संख्या में खेलप्रेमी व टीमों के खिलाड़ी मौजूद थे।

माता पार्वती की पूजा अर्चना कर संतान की दीर्घायु की कामना करेंगी

अहोई अष्टमी पर आज महिलाएं रखेंगी व्रत

बाजारों में पूजन सामग्री की दुकानें फुटपाथ पर सजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

संतान की रक्षा और दीर्घायु के लिए महिलाएं कल सोमवार को अहोई अष्टमी पर्व पर व्रत रखकर माता पार्वती की पूजा अर्चना कर संतान की दीर्घायु की कामना करेंगी। पूरे दिन व्रत रख परिवार की वृद्ध महिलाओं से अहोई अष्टमी की कथा सुनकर सायं के समय आसमान में तारे को अर्ध्य देकर अपने व्रत का समापन करेंगी।

रेवाड़ी। मोती चौक बाजार में खरीदारी करते लोग। फोटो :हरिभूमि

बाजार में बढ़ने लगी लोगों की भीड़

दीवाली पर्व करीब आते ही शहर के बाजार में खरीददारी करने वालों की भीड़ बढ़ने लगी है। इससे दुकानदार भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। भीड़ के कारण बाजार में जाम जैसे हालात बनने लगे हैं। पुलिस ने बेरिकेड्स लगाकर बाजार में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई हुई है, लेकिन चालक संकीर्ण गलियों से वाहन लेकर बाजार पहुंच रहे हैं। इससे जाम जैसे हालात बने रहते हैं।

महिलाओं में दिखा बड़ा उत्साहा

शहर के मुख्य मोती चौक बाजार व आस-पास के लगते अन्य बाजारों में भी महिलाएं अहोई पूजन में इस्तेमाल होने वाली पूजा सामग्री, कलश व मिट्टी के करवे आदि की खरीददारी करती दिखाई दी। बाजारों में पूजन सामग्री की दुकानें भी फुटपाथ पर सजी हैं। हालांकि पूजा सामग्री की दरों में गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अधिक वृद्धि हुई है, लेकिन महिलाओं की धार्मिक आस्था पर बढ़ती महंगाई भी कोई असर नहीं डाल सकी है। संतान की रक्षा व दीर्घायु के लिए किए जाने वाला अहोई अष्टमी को लेकर महिलाएं बड़ी उत्साहित हैं।

अहोई अष्टमी का व्रत केवल धार्मिक नहीं, मां के निस्वार्थ प्रेम और त्याग का प्रतीकः शास्त्री

ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री

रेवाड़ी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को अहोई अष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस बार सोमवार को दोपहर 12:23 से मंगलवार को सुबह 11:09 बजे तक अष्टमी रहेगी। ज्योतिष आचार्य अजय शास्त्री ने कहा कि इस बार गजकेसरी योग बनने से बच्चों के लिए माताओं की ओर से रखा जाने वाला व्रत अति कल्याणकारी होगा। इस दिन माताएं अपनी संतान की दीर्घायु व सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। शाम को सूरज ढलने से पहले अहोई की पूजा व कथा सुनती हैं। यह व्रत भी करवा चौथ की तरह ही सारा दिन निर्जला रहकर रखा जाता है। ज्योतिषाचार्य ने कहा कि शाम सूर्यास्त के बाद तारा उदय होने पर महिलाएं अर्घ्य देंगी। उसके बाद पहला निवाला मीठे भोजन का लेती हैं। पूजा के समय दीवार पर अहोई माता, स्याही और सात संतानों का चित्र बनाया जाता है। पूजा के बाद रात्रि में महिलाएं तारों को अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। कुछ परंपराओं में सप्त ऋषि तारामंडल को नमन करना भी शुभ माना जाता है। शास्त्री ने कहा कि अहोई अष्टमी का व्रत केवल धार्मिक ही नहीं, मां के निस्वार्थ प्रेम और त्याग का प्रतीक भी है। माना जाता है कि श्रद्धा से किया गया यह व्रत संतान के जीवन में सुख, स्वास्थ्य और सफलता लाता है।

इस बार गजकेसरी योग बनने से बच्चों के लिए श्रेष्ठ रहेगा अहोई अष्टमी व्रत

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा प्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम

कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यज्ञ और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै ।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आठगै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलावां सां तो हम अपणे भित्तर भी एक दीया जलावां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योर्तिमय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उनने दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कवितात नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कवितात ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्बिषम ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाद्युतिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई, जिसमें महेंद्रगढ़ के वैश्य समाज के प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि देश व प्रदेश में अग्रोहा धाम की इकाइयों का विस्तार किया जा रहा है। देश के हर तीर्थ स्थलों पर अग्रोहा धाम के नाम पर धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अग्रोहा को रेलवे लाइन से जोड़ने की वार्षिक बजट में मंजूरी देने के बावजूद आज तक काम नहीं हो होने से वैश्य समाज में नाराजगी है, जबकि सरकार ने 93 किलोमीटर नई रेलवे लाइन बिछाने के घोषणा कई बार की है, मगर अभी तक रेलवे लाइन का काम शुरू तक नहीं हुआ है।

आईपीएस आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच हो: राता

मंडी अटेली। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक है कि सरकारी तंत्र में बड़े पद पर बैठे इस पुलिस अधिकारी को इस हद तक जातिगत भेदभाव, अपमान और उत्पीड़न झेलना पड़ा कि उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। एडीजीपी वाई पूरण कुमार की इस दर्दनाक मौत ने हर संवेदनशील नागरिक को झकझोर कर रख दिया है। हरियाणा प्रदेश में यह पहला मामला है, जब एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने अपने ही विभाग की दबावपूर्ण परिस्थितियों के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके।

हरित वसुंधरा आधार समिति हुई बैठक

नारनौल। हरित वसुंधरा आधार समिति की आम सभा की बैठक रविवार को आयोजित की गई। जिसमें पर्यावरण हितैषी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। समिति ने सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में स्टेनलेस स्टील के बर्तनों को मुफ्त उपलब्ध कराने के अभियान का शुभारंभ किया। समिति प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी की अध्यक्षता में आयोजित आम सभा में समिति सदस्यों ने पर्यावरण हितैषी गतिविधियों पर चर्चा की। समिति सदस्या अंजलि की ओर से समाज में आए दिन होने वाले पारिवारिक समारोह व भंडारों आदि के दौरान इस्तेमाल होने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक से बने उत्पादों के विकल्प के रूप में अच्छे स्टेनलेस स्टील के बर्तन समिति की ओर से निःशुल्क उपलब्ध होगे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने बैठक कर की नप व प्रशासन से मांग

शहर को बंदरों व अवारा कुत्तों से दिलाई जाए निजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- फुटपाथों से हटाया जाए अतिक्रमण

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक संगठन के कार्यालय किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुई। जि स की अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने की। बैठक में सुरेश भारद्वाज, बीएल सैनी, प्रभातीलाल, उत्तमसिंह यादव, हरिद्वारीलाल वर्मा, संगठन के संरक्षक अजीत प्रकाश जैन व संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा को उनके जन्मदिन के लिए सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ रहकर दीर्घायु होने की कामना की। बैठक का संचालन संगठन के संयुक्त सचिव प्रो. शिवहरी अग्रवाल ने किया।

नारनौल। बैठक में भाग लेते वरिष्ठ नागरिक। फोटो: हरिभूमि

शिवलाल वर्मा ने बताया कि नगर परिषद की ओर से शहर में लाइट समस्या के समाधान के लिए जारी किए गए टोल फ्री नम्बर पर फोन करने पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई बात कही गई थी, लेकिन इस नम्बर पर कोई रिस्पांस ही नहीं मिलता है। जिससे लाइटें ठीक नहीं हो पाती। उन्होंने मांग है कि टोल फ्री नम्बर से अवश्य उत्तर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर की कुछ लाइटें 24 घंटे जलती रहती है। इसलिए नगर परिषद के अधिकारियों से अनुरोध है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। एडवोकेट राजकुमार चौधरी ने बताया कि शहर में बंदरों व आवारा कुत्तों का आतंक बहुत ज्यादा है। इनके काटने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसलिए नगर परिषद को इस समस्या का गंभीरता से समाधान करना चाहिए। शिवलाल वर्मा ने कहा कि आमजन को फुटपाथ पर चलने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिया गया है, लेकिन अधिकतर फुटपाथों पर अनाधिकृत अतिक्रमण होने के कारण चलना दूभर है। इसलिए फुटपाथ का अतिक्रमण हटाना चाहिए।

टूटी सड़कों की मरम्मत की मांग

विजयसिंह यादव ने बताया कि पुरानी मण्डी से जल महल तक की सड़क टूटी है तथा सेन चौक का भी बुरा हाल है। इसलिए सड़क का जल्द से जल्द समाधान होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सीआईए रोड, नई बस्ती व मालटिब्बा मोहल्ला की सीवर ठीक करने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग से अनुरोध किया गया था, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि नगर परिषद के पास सीवर साफ करने की मशीन नहीं है। इसलिए जिला प्रशासन से अनुरोध है कि नगर परिषद के लिए सीवर लाइन साफ करने के लिए पूर्णकालिक मशीन की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा सीवर साफ करने के बाद गन्दगी का ढेर, वहीं कर दिया जाता है और उसे उठाया ही नहीं जाता है। इसलिए भविष्य में सीवर लाइन साफ करने पर जो गन्दगी बाहर निकलती है, उसे तुरंत उठाया जाए।

ये रहे मौजूद

मौके पर अजीत जैन, शिवलाल वर्मा, प्रो. शिवहरी अग्रवाल, एसएल चौहान, भागीरथ प्रसाद, हरीराम गुप्ता, रामनिवास यादव, मास्टर जयदयाल, गणपतराम सैनी, नरेंद्र धोलिया, हरिद्वारीलाल वर्मा, सुभाष सिंगल, रविन्द्र कुमार चौधरी, रामनिवास सैनी, रामविलास यादव, प्रताप सिंह राजपूत, मास्टर वासुदेव, चेतन स्वरूप, उत्तमसिंह यादव, प्रेमचंद जैन, प्रभातीलाल, एडवोकेट राजकुमार चौधरी, जयप्रकाश कौशिक, उमादत्त शर्मा, सुरेश भारद्वाज, बीएल सैनी, जसवंत सिंह यादव, रामजीलाल मित्तल, बद्रीप्रसाद आदि उपस्थित रहे।

मुख्य बाजार की सड़क होने के कारण बढ़ी ग्राहकों व व्यापारियों की परेशानी

तीन साल में ही मॉडल सड़क ने तोड़ा दम, वाहन चालक परेशान

करीब तीन वर्ष पूर्व नगर पालिका की ओर से बनाई गई थी शहर की आईटीआई रोड की सड़क

- व्यापारियों का व्यापार हो रहा है प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर की मॉडल सड़क पर नगर पालिका की ओर से बनाई गई सड़क महज तीन साल में दम तोड़ गई है। सड़क में बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित रहा है। इसके अलावा आने-जाने वाले वाहन चालकों को भी हिचकोल खाकर गुजरने को मजबूर हैं। नगर पालिका की ओर से अभी तक इस सड़क पर पैचवर्क नहीं किया जा रहा है।

बता दें कि नगर पालिका द्वारा करीब तीन साल पहले आईटीआई सड़क को मॉडल सड़क का दर्जा दिया गया था। इस सड़क को करोड़ों रुपये की लागत से निर्माण करवाया गया था। मॉडल सड़क से तीन साल में ही रोड़िया निकलनी शुरू हो गई है। वहीं कई जगह गहरे गड्ढे होने लगे हैं। टूटी सड़क के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं समीप बस स्टैंड होने के कारण यात्रियों की परेशानी अधिक बढ़ गई है। बस स्टैंड पर आने वाले वाहनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। इसके अलावा डिवाइडर पर लगाई गई टाईल भी उखड़नी शुरू हो चुकी है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से सड़क की मरम्मत करने की मांग की है। यह मार्ग जिले के कई गांवों को शहर से जोड़ता है। करीब तीन दर्जन गांवों के लोग शहर आने के लिए इस मार्ग का प्रयोग करते है।

महेंद्रगढ़। सड़क से उखड़ी पड़ी रोड़ियां। फोटो: हरिभूमि

इन सड़कों की हालात हो चुकी खराब

शहर में इन दिनों फूलचंद हनुमान मंदिर से मस्जिद तक, ब्रहमचारी रोड़ से राव बहादुर सिंह की कोठी तक, बालाजी चौक से रेलवे स्टेशन तक, रेलवे स्टेशन से लेकर माजरा फाटक तक, बालाजी चौक से सब्जी मंडी, नेमी मिष्ठान भंडार से पूर्व विधायक राव दानसिंह के मकान तक, मोहल्ला कुम्हारान की सड़क की हालात खस्ता हो चुकी हैं।

निर्माण कराया जा रहा

आईटीआई रोड शहर की प्रमुख सड़क है। नगर पालिका की ओर से शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण करया जा रहा है। अधिकतर सड़कों का निर्मा हो चुका है। जब तक आईटीआई सड़क का निर्माण नहीं होता, तब तक पेचवर्क किया जाएगा, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।

-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका महेंद्रगढ़

सड़क की दयनीय स्थिति होने के कारण ग्रामीणों व शहरवासियों काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इस मार्ग से कई शिक्षण संस्थानों व रोडवेज बस होकर गुजरती है। सड़क की दयनीय स्थिति होने के कारण स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस मार्ग पर हैं कई दुकानें: इस मार्ग पर करीब 200 से अधिक दुकान व रेहड़ी हैं। यह मार्ग शहर का प्रमुख मार्ग है। लोग लघु सचिवालय, बस स्टैंड, अस्पताल, जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा लोग सब्जी मंडी जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। शहर के लोगों ने प्रशासन से इस रोड का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई हैं।

नारनौल। गीता पाठ करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

मोहल्ला बांस में गीता पाठ और सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के तत्वावधान में गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज की सदप्रेरणा से पावन कार्तिक मास में रोजाना किसी न किसी भक्तजन के निवास स्थान पर गीता पाठ व सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार रात को लालचंद सैनी के निवास स्थान मोहल्ला बांस में गीता पाठ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान सुरेंद्र यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि सर्वप्रथम सुरेंद्र सैनी ने गणेश वंदना से गीता पाठ का शुभारंभ किया। हरि शरणम संकीर्तन चेतन जिंदल ने, ओम नमो भगवते वासुदेवाय राधिका सैनी, भगवत स्तुति गीता मंत्र सुनीता ने, श्री कृष्ण कृपा अमृत पाठ सुरेंद्र यादव ने, 12वां अध्याय मास्टर शिवहरी ने, अष्टादश श्लोकी गीता पाठ मास्टर सुरेश कुमार ने, नौ श्लोकी पाठ मीनू ने, विश्व शांति सद्भाव प्रार्थना निवेदिता ने किया। गीता पाठ के बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें राजेश यादव ने जो शरण गुरु की आया, चेतन जिंदल ने पलके ही पलके बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे, संजय गोयल ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम का दरबार, दुष्यंत शर्मा ने मन की बात सांवरिया ने आज सुनाकर देख ले, आचार्य प्रवेश रसिक ने श्यामा हृदय कमल सु नीपजो वृंदावन प्यारो वृंदावन भजन पर सभी भक्तों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर गोपाल नंबरदार, बजरंग शुक्ला, महेश सोनी, सुमन सोनी, रविंद्र फौजी, प्रेम आजाद, मधु, शुभम, साहिल मित्तल, शिवप्रकाश कंछल, वासुदेव, मोनिका आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक मंजू चौधरी की अगुवाई में निकाली आक्रोश रैली

- गांव वाइज मतदाताओं को जागरूक करने की बनाई रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक मंजू चौधरी की अगुवाई में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली निकाली। जिसमें जिला प्रधान सतबीर झूकिया, रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह व सत्यपाल दहिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर मतदान में फर्जीवाड़ा करके सत्ता पर काबिज होने के आरोप लगाए हैं। इसके लिए गांव वाइज रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करने की रूपरेखा बनाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नीति और नैतिकता वहीन राजनीति करना आरंभ कर दिया। चुनावों के दौरान दो करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार देने, महंगाई घटाने तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने का वादा किया गया था, लेकिन सत्ता मिलते ही सबसे पहले युवाओं के रोजगार पर कैंची चलाई गई है। सरकार की गलत नीतियों के कारण हजारों लघु उद्योग बंद हो गए। जिसमें कार्यरत करोड़ों युवा बेरोजगार हुए हैं। जिससे आक्रोशित जनता ने लोकसभा व विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मतदान किया था, लेकिन भाजपा ने सत्ता का दुरपयोग करते हुए वोटिंग होने के तीन बाद फर्जीवाड़े से मतदान बढ़ा दिया। महाराष्ट्र में एक ही फ्लैट से 40 हजारा मतदाताओं के एड्रेस की पुष्टि हुई है। हरियाणा में भी भाजपा ने सत्ता की ताकत से धांधली की मदद से सत्ता हासिल की है। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर पार्टी ने देशव्यापी आंदोलन चलाया है।

नांगल चौधरी। शहर में वोट चोर गद्दी छोड़ आक्रोश रैली निकालते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

विधायक ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां जनहित में नहीं, केवल पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाएं क्रियावित हो रही हैं। इस मौके पर महिला जिला प्रधान राज सुनेश यादव, ओमप्रकाश मांडैया, युवा विंग के जिला प्रधान पुनीत बुलान, होशियार रावत, देशराज सरपंच, सतबीर, मंजीत यादव एडवोकेट, राजकुमार, सोनू तंवर, बालकिशन, शीशराम एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

जातीय भेदभाव के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गुरु रविदास महासभा की आम सभा का आयोजन रैदास आश्रम के पास स्थित कार्यालय में नवचयनित प्रधान बाबूलाल नारनौलिया की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न संगठन हजरस, हरियाणा अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, महल अनुसूचित जाति विकास मंच, वाल्मीकि सभा, चमार महासभा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ आदि के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में मंच संचालन प्रेस सचिव जयसिंह नारनौलिया ने किया।

इस अवसर पर गुरु रविदास महासभा की नवचयनित कार्यकारिणी का सभी से परिचय करवाया गया। बैठक में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने के दोषी पर कोई भी कार्रवाई न होने तथा जातीय भेदभाव एवं उत्पीड़न के कारण हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरण कुमार के आत्महत्या करने, हरिओम वाल्मीकि की हत्या होने पर समस्त अनुसूचित जाति समाज के लोगों ने रोष जताया और कड़े शब्दों में दोषियों की भर्त्सना की। सभी संगठनों के लोगों ने जिला स्तर पर प्रदर्शन करने हेतु आगामी रणनीति बनाने के लिए 13 अक्टूबर सायं चार बजे अंबेडकर भवन मालवीय नगर में समस्त अनुसूचित जाति समाज की बैठक बुलाई। सभा को जयनारायण दुग्गल, राजपाल गोरा, मानसिंह नूनीवाल, जोगेंद्र जैदिया, कंवर सिंह, प्रवक्ता अशोक कुमार पटीकरा, रामसिंह धाकड़, प्यारेलाल चवन, अशोक दास नारनौलिया आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर अमर सिंह कटारिया, सुरेंद्र सिहमा, अरुण कुमार, सुधीर कुमार, दयानंद सांवरिया, रोहताश नीरपुर, सुरेश कुमार, अशोकदास, रामस्वरूप, रामसिंह धाकड़, सूबेदार फूलचंद, उमराव गोरा, भानीसहाय मांडैया आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक करते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश के 22 जिलों से भारी संख्या में लोग सैनी सभा पहुंचकर इस बैठक में हिस्सा लिया

महाराजा शूरसेन जयंती की प्रदेशस्तरीय बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आगामी 16 नवम्बर को होने वाली महाराजा शूरसेन जयंती को लेकर रविवार को सैनी सभा प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें पूरे प्रदेश के 22 जिलों से भारी संख्या में लोग सैनी सभा पहुंचकर इस बैठक में हिस्सा लिया। इसके साथ सैनी सभा केसभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी ने की। बैठक में मंच का संचालन मास्टर रविंद्र सैनी ने किया।

बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने आगामी 16 नवम्बर को होने वाली राज्य स्तरीय जयंती को ऐतिहासिक व भव्य रूप से मनाने के लिए अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। जवाहर सैनी ने कहा कि महाराजा शूरसैनी हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कारों के प्रतीक हैं। हमें समाज के युवाओं को उनके आदर्शों और योगदान से परिचित कराना चाहिए। शहर में होने वाली आगामी राज्य स्तरीय जयंती पूरे हरियाणा में सैनी समाज की एकता और शक्ति का संदेश देगी। यह कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता और प्रगति का प्रतीक होगा। सभी कार्यकर्ता, युवा, महिलाएं और समाज के वरिष्ठजन मिलकर इस आयोजन को यादगार बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसे प्रेरणा स्वरूप देखें। बैठक में प्रदेश से आए हुए सभी गणमान्य बंधुओं ने यह संकल्प लिया कि आगामी 16 नवम्बर को होने वाली महाराजा शूरसैनी जयंती पर लाखों की तादाद में लोगों को सम्मिलित कराकर रैली को ऐतिहासिक बनाएंगे। अंत में सैनी सभा प्रधान बिशन कुमार सैनी ने सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि 16 नवम्बर को होने वाली जयंती में प्रदेशभर से हजारों समाज बंधु एकत्र होकर महाराजा शूरसेन को नमन करेंगे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते सभा प्रधान बिशन कुमार सैनी। फोटो: हरिभूमि

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक में प्रमुख अतिथियों में ऑल इंडिया सैनी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जवाहर सैनी, धर्मचंद सैनी प्रदेश अध्यक्ष सैनी महासभा हरियाणा, गुरनाम सैनी प्रधानए सैनी समाज कुरुक्षेत्र, राजकुमार सैनी प्रधान सैनी सभा अंबाला कैंट, संदीप सैनी जिला उपाध्यक्ष भाजपा अंबाला, जसविंद्र सैनी अध्यक्ष मार्केट कमेटी, कुलवंत सैनी वाइस चेयरमैन रतिया, सुभाष सैनी प्रधान सैनी सभा झरथल, बीरबल सैनी अध्यक्ष नगर पालिका फारूकनगर, रमेश सैनी प्रतिनिधि अध्यक्ष नांगल चौधरी, सुरेशचंद सैनी प्रधान सैनी सभा महेंद्रगढ़, दीनदयाल सैनी प्रधान बावल, मित्रसेन सैनी प्रधान नांगल शाहबाजपुर, चेतराम सैनी अध्यक्ष सैनी पब्लिक स्कूल रेवाड़ी, नरेंद्र सिंह सैनी जिला प्रधान सैनी महासभा सिरसा, विनोद सैनी सोनीपत, अशोक सैनी हिसार, राजेश दहिया प्रदेश अध्यक्ष सैनी महापंचायत, बक्शी सैनी अध्यक्ष नगर पालिका चरखी दादरी, गोल्डी सैनी अंबाला, संदीप सैनी अंबाला, मुकेश सैनी गुड़गांव, डॉ. दिनेश सैनी यमुनानगर, कमलेश सैनी चेयरपर्सन, भारती सैनी पूर्व चेयरपर्सन, जेपी सैनी, लक्ष्मी देवी ग्रीवेंस कमेटी मेंबर प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रीगोपाल गोशाला में लगाई सवामणि

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार को आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्रीगोपाल गोशाला में सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आचार्य बजरंग शास्त्री ने मुख्य यजमान मनीष शास्त्री, मंजू शर्मा, महेश भालोठिया, मंजू भालोठिया, मनोज अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल व राजकुमार चौधरी सहित सभी सदस्यों से देवी देवताओं सहित विधिविधान पूजन करवाया। गोमाता की आरती कर सभी सदस्यों ने मिलकर गो पूजन किया। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। इस अवसर पर उप प्रधान कृष्ण गुप्ता ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता हैं। गाय की सेवा करने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। संस्था के सदस्य उमेश शर्मा ने कहा कि गाय की सेवा करने से मनुष्य के अनेक प्रकार के दोष दूर होते व अलौकिक पुण्य की प्राप्ति होती है। संजय सैनी ने बताया कि सवामणी के बाद चेक भी गोपाल गोशाला को भेंट किया गया। इस मौके पर राजेंद्र गुप्ता, मनोज अग्रवाल, प्रदीप संघी, राजकुमार, सोमदेव, पवन शर्मा, राजकुमार चौधरी, रेखा संघी, लीलावती देवी, मुस्कान अग्रवाल, मंजू भालोठिया, निर्मल देवी, सरला शर्मा, उमेश शर्मा, जोगिंद्र गर्ग, राकेश बंसल, मधुर बंसल, पिंकी शर्मा, शकुंतला देवी, राघव गोयल, उन्नति शर्मा, पूर्वी शर्मा, लक्षिका, देवांशी आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

कैंप में 125 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 125 मरीजों को ओपीडी सेवाएं तथा फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. एस पी यादव ने मेडिसन, डा. आकाश यादव ने हड्डीरोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग, डा. विदुला यादव ने नेत्ररोग, डा. अनिल यादव ने दंत रोग व डा. सुमन यादव ने स्त्रीरोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने भी कैंप में फ्री फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण,अमर सिंह, प्रो. सतीश यादव, गोकल राम व रामसिंह ने सहयोग दिया।

मौसम में अभी बदलाव की उम्मीद नहीं

एक सप्ताह गिरावट के बाद पारा चढ़ना शुरू 60 लाख यूनिट से कम आई बिजली की खपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गर्मी की विदाई के साथ ठंड की शुरूआत होने लगी है। मौसम साफ रहने के कारण तापमान में वृद्धि होना शुरू हो गया है। इसके बावजूद मौसम का मिजाज ठंडा बना हुआ है। बिजली की खपत कम होकर 60 लाख यूनिट से नीचे जा चुकी है। एक सप्ताह तक मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। इस दौरान रात का पारा गिर सकता है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में हुई औसत 20 एमएम तक बारिश के साथ गर्मी की विदाई के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। रात के तापमान में लगातार कमी आती रही। तीन दिन से आसमान साफ रहने और तेज धूप निकलने से तापमान एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप खिली। इससे दोपहर के समय मौसम गर्म बना रहा। अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 30.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 0.6 डिग्री बढ़कर 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वातावरण में नमी का स्तर भी कम होकर 40 प्रतिशत पर आ गया, जबकि हवा की रफ्तार 8 किलोमीटर प्रति घंटा रही। रात के समय मौसम ठंडा होना शुरू हो गया है, जिससे एसी और कूलर का उपयोग काफी कम हो गया है। दिन के समय ही एसी चलाए जा रहे हैं। रात को पंखों की हवा से ही काम चल रहा है।

ठंड से बढ़ रहा प्रदूषण का खतरा

मौसम ठंडा होने के साथ ही हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ना शुरू हो गया है। मौसम ठंडा होने व हवा में नमी के कारण प्रदूषक कारक तत्व वायुमंडल की ऊपरी स्तर तक नहीं पहुंच पाते। इनके जमीन के आसपास मंडराने से एक्यूआई बढ़ना शुरू हो जाता है। बीते साल सर्दी के महीनों में एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया था। इस बार अभी तक एक्यूआई 100 के आसपास बना हुआ था। ठंड की शुरूआत के कारण रविवार को यह 152 पर पहुंच गया। आने वाले दिनों में एक्यूआई में और उछाल आने की आशंका है, जिससे हवा खतरनाक हो जाएगी।

एक्यूआई में और उछाल आने की आशंका

अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस

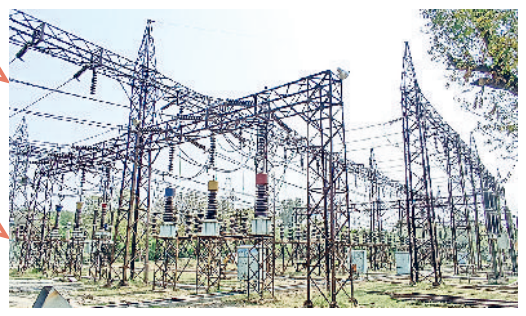

फसल बिजाई का कार्य तेजी से शुरू

रबी की प्रमुख फसल के रूप में किसानों ने सरसों की बिजाई का कार्य तेजी से शुरू किया हुआ है। बारिश के चलते किसान अक्टूबर के शुरू में सरसों की बिजाई नहीं कर पाए थे। बारिश के बाद उन्हें जमीन का पलाव करने से छुटकारा मिल गया। इस बार 75 हजार हेक्टेयर भूमि पर सरसों की बिजाई करने का अनुमान है, जिसमें 30 फीसदी से अधिक बिजाई हो चुकी है। सरसों की बिजाई अक्टूबर के अंत तक की जा सकती है। इसके बाद किसान गेहूं की बिजाई का कार्य शुरू कर देंगे।

बिजली की खपत में कमी

बिजली की खपत में भारी कमी मौसम अनुकूल रहने और कृषि क्षेत्र में बारिश के बाद मांग कम होने से बिजली की खपत कम होकर 60 लाख यूनिट दैनिक से भी कम आ गई है। गत 8 अक्टूबर को बिजली की खपत 65.63 लाख यूनिट, 9 अक्टूबर को 66.17 लाख यूनिट, 10 अक्टूबर को 61.63 लाख यूनिट तथा 11 अक्टूबर को 58.99 लाख यूनिट रही। सप्लाई पर्याप्त रहने के कारण इस समय बिजली सरप्लस चल रही है। उपभोक्ताओं को अनावश्यक कटों से राहत मिली हुई है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद आरएसएस के स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया पथ संचलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

कस्बे में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन अनुशासन और उत्साह के साथ निकाला गया। कार्यक्रम में पूर्ण गणवेश में 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पथ संचलन कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरा, जहां लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मुख्य वक्ता अश्विनी जोशी ने संघ के इतिहास, हिंदू एकता और सामाजिक समरसता पर विचार रखे। जातिवाद, पर्यावरण संरक्षण, गोसेवा और स्वदेशी अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से दिखी। पथ संचलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात रही। कार्यक्रम में दलीप सिंह, तरुण सिकरवाल भिवानी विभाग प्रभारी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, लियांश, खेमचंद, हर्षित व राजेशसहित काफी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

इंद्रजीत राव बने फाउंडेशन के स्टेट इंचार्ज

रेवाड़ी। नागरिक सुरक्षा बल फाउंडेशन की ओर से गांव शादीपुर निवासी इंद्रजीत राव को हरियाणा राज्य का स्टेट इंचार्ज नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके अब तक के समाजसेवी कार्यों, समर्पण और जनकल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए की गई है। इंद्रजीत राव ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को निःस्वार्थ भाव से निभाते हुए समाज एवं जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करेंगे। नागरिक सुरक्षा बल फाउंडेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों ने इंद्रजीत राव को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

छात्रों की उन्नति में शिक्षकों व अभिभावकों का विशेष योगदान: अंजू यादव

रेवाड़ी। पीटीएम से पूर्व बच्चों व अभिभावकों का स्वागत करते हुए शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कक्षा नर्सरी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के अभिभावक मौजूद थे। प्रधानाचार्य अंजू यादव ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों की समस्याओं पर चर्चा करके उसका समाधान करना था। इस अवसर पर अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षिक प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में स्वच्छता व स्वास्थ्य, छात्रों की कॉपी का मूल्यांकन, अनुशासन, कक्षा उपस्थिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा, न्यू एजुकेशन पॉलिसी व संस्कार पर चर्चा की गई। प्रधानाचार्य के कहा कि छात्रों की उन्नति व विकास में शिक्षकों और अभिभावकों का विशेष योगदान होता है। पीटीएम के दौरान बच्चों के लिए स्वास्थ्य कैंप भी लगाया गया, बच्चों की आंखों व दांतों की जांच की गई। इस मौके पर छात्रों ने रामायण के प्रमुख प्रसंगों का मंचन भी किया।

रोटरी रसोई के सौ दिन पूरे होने पर क्लब के सदस्यों ने किया सेलिब्रेशन

रेवाड़ी। रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन की प्रमुख सामाजिक परियोजना रोटरी रसोई के रविवार को 100 दिन पूरे होने पर सेलिब्रेशन किया गया। क्लब की ओर से यह परियोजना जरूरतमंदों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन के सचिव अनुकूल शर्मा ने कहा कि यह हम सभी के लिए बड़े गर्व की बात है कि रोटरी रसोई ने अपनी 100 दिन की सेवा बिना किसी रुकावट के पूरी कर ली है। क्लब अध्यक्ष नेहा शर्मा ने भी कहा कि हमारा उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सम्मान और स्नेह के साथ सेवा करना है। रविवार की रसोई का प्रायोजन समाजसेवी सुभाष चुग ने किया। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डा. रविंदर गुगनानी, विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्यों और शहरवासियों का उनके योगदान के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर हरीश अरोड़ा, गीता अरोड़ा, सुचित्रा चांदना, रंजना भारद्वाज, रमेश धमीजा, चरणजीत बत्रा, सुभाष मंगला, दलीप सैनी, डा. दीपिका सचदेवा, ईश ढींगरा, बॉबी मुंजाल, प्रीति मुंजाल, मनोज शर्मा, राहुल जैन, रजत वर्मा, तमन्ना वर्मा, अनुराधा सैनी, सोनिया चक्रवर्ती, मनोज चक्रवर्ती, वेद प्रकाश, ज्योति अदलखा, भारती और रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन के सभी स्वयंसेवक मौजूद थे।

मेघवाल समिति की बैठक आयोजित, समाज ने जताई समुदायिक अत्याचारों पर चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

मेघवाल उत्थान समिति की ओर से रविवार को धारूहेड़ा ब्लॉक के गांव भटसाना में सभा का आयोजन किया गया। बैठक में गांव भटसाना के सरपंच भूप सिंह व जिला पार्षद निरंजन लाल पटवारी ने अध्यक्षता की। इस मौके पर मेघवाल समाज के उत्थान, सामाजिक सम्मान एवं दलित समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर चर्चा की गई। सभा में मंच संचालन भूपेन्द्र शेखपुर एवं अशोक मेघवाल ने किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता समिति के संरक्षक एवं रिटायर्ड एसडीओ वेद प्रकाश ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य मेघवाल शब्द को अपनाना है, जोकि समाज के लिए सम्मानजनक एवं गौरवपूर्ण परिचय है। समिति के प्रधान सूरजभान ने दलित समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उच्च पदों पर आसीन दलित अधिकारियों को भी जातिगत भेदभाव का शिकार होना पड़ रहा है, जो समाज के लिए चिंताजनक है। उन्होंने हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आईजी वाई पूरण कुमार के असामयिक निधन और भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई पर जूता फेंकने के घटनाक्रम पर चर्चा की। सूरजभान ने इन घटनाओं को दलित समुदाय के प्रति व्याप्त असहिष्णुता का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं हमें और अधिक एकजुट होने का संदेश देती हैं। निरंजनलाल पटवारी जिला पार्षद ने कहा कि ऐसी सभाओं के माध्यम से हम न केवल सामाजिक जागृति फैलाएंगे, बल्कि दलित अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष भी जारी रखेंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रूड़ाराम, परमेश्वर दयाल प्रभारी बावल, भूप सिंह प्रधान गुरुग्राम, सूबेदार रमेशचंद्र प्रधान बावल, महेंद्र सिंह मेघवाल प्रभारी रेवाड़ी, सुंदरलाल भटेड़िया सलाहकार, लालचंद जिला प्रभारी, राजेश पटवारी उप प्रधान रेवाड़ी ब्लॉक, महिपाल थावर सिंह ब्लॉक प्रभारी धारूहेड़ा, हंसराज खरखड़ा उप प्रधान, जोगिंदर सिंह सचिव अलावलपुर, सुभाष चंद, संयुक्त सचिव, शेर सिंह खजांची, सावंत सिंह एक्स सरपंच, लालचंद, हीरालाल व राहुल मेघवाल उपस्थित थे।

सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर संघर्ष तेज, 118वें दिन भी जारी धरना

रेवाड़ी। सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर रामगढ़ भगवानपुर संघर्ष समिति का धरना रविवार को 118वें दिन भी जारी रहा। वक्ताओं ने कहा कि गांव की केंद्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह ने वाटर वर्क्स के लिए गांव की 10 एकड़ जमीन लेने व अस्पताल बनाने का वायदा किया था, लेकिन अब अस्पताल बनाने के वायदे से मुकरने से ग्रामीणों में रोष है। धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। धरने मे रामगढ़ भगवानपुर के अलावा आसपास के दर्जनों गांवों बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, माढैया कला, तुर्कियावास, सुनारिया, ढाकिया, मीरपुर, जाट, जाटी, गोकलपुर, कुम्भावास, डोहकी, डाबड़ी व नयागांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। रामगढ़ भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक व सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि अस्पताल व शहर में पानी की व्यवस्था दोनों के लिए जमीन का प्रस्ताव एक साथ सरकार को चंडीगढ़ भेजा था, परंतु पानी के लिए जमीन ले ली और अस्पताल के लिए मामूली आपत्ति लगाकर वापिस कर दी। प्रशासन को उन आपत्तियों को ठीक करके दोबारा फाइल भेजनी थी, परंतु स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने इस बीच दूसरे गांव की जमीन देखना शुरू कर दी, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से हेरिटेज वॉक का आयोजन 19 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा सरकार की ओर से अहीरवाल हेरिटेज संस्था के सहयोग से 19 अक्टूबर को शहर में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जाएगा। इस वॉक के दौरान प्रतिभागियों को ऐतिहासिक इमारतों की सैर कराई जाएगी तथा उनके इतिहास और महत्व से अवगत कराया जाएगा। दिल्ली, गुरुग्राम व एनसीआर से आने वाले प्रतिभागियों के लिए मीटिंग पॉइंट एमजी रोड मेट्रो स्टेशन गुरुग्राम रहेगा। इस श्रेणी के प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1600 रुपये रखा गया है, जिसमें ट्रांसपोर्टेशन, खान-पान, टूर गाइड, टिकट व हाई टी शामिल रहेंगे। एमजी रोड मेट्रो स्टेशन से सुबह 8 बजे रेवाड़ी के लिए प्रस्थान होगा। रेवाड़ी में सबसे पहले बड़ा तालाब यानि तेज सरोवर पर आगंतुकों का स्वागत किया जाएगा। इसके उपरांत सोलराही सरोवर, रानी की ड्योढ़ी और मीरपुर स्थित राव तेज सिंह हवेली का भ्रमण कराया जाएगा।

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित अहीरवाल हेरिटेज फाउंडेशन के सदस्य।

अहीरवाल हेरिटेज फाउंडेशन के सदस्यों की बैठक

दोपहर बाद दिल्ली रोड स्थित ऐतिहासिक छतरियां, रेजांगला स्मारक तथा हेरिटेज लोको शेड की सैर कराई जाएगी। इस यात्रा को लेकर रविवार को दिल्ली रोड स्थित ऐतिहासिक छतरियों पर अहीरवाल हेरिटेज फाउंडेशन के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें वॉक की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अहीरवाल हेरिटेज की अध्यक्ष प्रियंका यादव ने बताया कि रेवाड़ी के स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए विजिट शुल्क 500 रुपये रखा गया है। बैठक में अहीरवाल हेरिटेज फाउंडेशन के सदस्य मुकेश सुल्तानिया, इंजीनियर सचिन, अमन, दिनेश कुमार, मंगेश कुमार, डा. सुशांत यादव व राहुल खोला उपस्थित थे।

पूर्व वायु सैनिकों ने परिवार के साथ मनाया वायुसेना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को कोनसीवास रोड स्थित गणपति गार्डन में वायुसेना दिवस समारोह में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में पूर्व वायु सैनिक व उनके परिवारजन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत हवन के साथ की गई। सत्यवीर ने पवित्र मंत्रों के साथ हवन सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में वायुसेना गान व वायुसंगनी गीत पेश किया गया। इस मौके पर तंबोला, जलेबी गेम, लेमन रेस, म्यूजिकल चेयर, रस्साकस्सी व लेडीज सुई धागा प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा बच्चों ने गीत, डांस व नाटक प्रस्तुत किए। वायुसैनिकों ने वायुसेना की ताकत के प्रदर्शन का विश्लेषण दिया। सभी ने अपने अनुभव साझा किए तथा दुनिया की सर्वोत्तम वायुसेना के वायु सैनिक होने पर गौरवांवित महसूस किया। कार्यक्रम के आयोजन में ईश्वर सिंह, सूबे सिंह, अजीत कुमार, करण सिंह, हंसराज, आर पी सिंह कोच, महेश, विजय व जीत सिंह सहित अनेक वायु सैनिकों ने सहयोग दिया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व वायु सैनिक व परिजन।

पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित, कई मुद्दों पर की गई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा हरियाणा की मीटिंग रविवार को रामबीर यादव प्रधान यादव सभा की अध्यक्षता में श्री कृष्ण भवन में आयोजित की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार कश्यप जाति को हरियाणा पिछड़ा वर्ग की बीसीए कैटेगरी में जोड़ना चाह रही है, जिसका समस्त पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा हरियाणा पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि कश्यप नाम की कोई जाति नहीं है,अपितु ब्राह्मण जाति का एक गोत्र है। उन्होंने कहा कि मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश की ओर से अपने राज्य में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय किया है, जिसका मध्य प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए कहा कि एमपी के मुख्यमंत्री का पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय सराहनीय है। उन्होंने हरियाणा सरकार से भी मांग करते हुए कहा कि हरियाणा में भी पिछड़ा वर्ग को प्रथम एवं द्वितीय वर्ग की नौकरियों में भी 27 प्रतिशत आरक्षण तुंरत दिया जाए।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के सदस्य।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा ने मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय बी आर गवई पर जूता फेंकने की घोर निंदा की तथा सरकार से जूता फेंकने वाले के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करके कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। मीटिंग में मंच संचालन मनोज यादव रिटायर्ड ईओ ने किया। इस मौके पर कैलाश यादव, विजयपाल, शिव कुमार, लोकेश, रामेश्वर जांगड़ा, प्रोफेसर सतीश यादव, जसवंत सिंह रिटायर्ड डीईओ, गोकल राम यादव, अनिल कुमार जांगड़ा, मंगेश यादव, दिनेश कुमार यादव, सचिन इंजीनियर व अमन कुमार सहित पिछड़ा वर्ग से संबंधित अनेक लोग मौजूद थे।

श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में प्रभु श्रीराम की वंदना का कार्यक्रम बजाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए है का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व जिला प्रधान डा. दीपक यादव, अखिल भारतीय साहित्य परिषद की जिलाध्यक्ष श्रुति शर्मा, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव, समाजसेवी प्रो सीएल सोनी, भारत विकास परिषद के संरक्षक रमेश सचदेवा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि प्रभु राम आज्ञाकारी पुत्र तथा भाईयों के बीच प्रेम व त्याग का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। अतिथियों ने कहा कि आज सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। प्रभु राम माता सीता के सम्मान की रक्षा करते हुए न केवल रावण से युद्ध करते हैं, बल्कि उसका संहार करके नारी सम्मान का उत्तम आदर्श भी प्रस्तुत करते हैं। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल, उपप्रधान हेमंत व समाजसेवी हरबंस लाल खुराना ने कहा कि प्रभु राम के हाथों रावण का जब संहार हुआ तो श्रीराम ने अपना अंगवस्त्र आदरपूर्वक रावण के मृत शरीर पर डाल दिया।

हाईफा अवॉर्ड्स का चौथा राज्य स्तरीय समारोह

समारोह में छाया रेवाड़ी, हरियाणवी वीडियो गीत प्रतियोगिता में मिला विजेता व उपविजेता का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रोहतक में आयोजित हरियाणा इनोवेटिव फिल्म एसोसिएशन यानि हीफा की ओर से वार्षिक समारोह में वर्ष 2024 के हीफा अवॉर्ड्स प्रदान किए गए, जिसमें रेवाड़ी के साहित्यकार व कलाकार छाए रहे। हरियाणवी वीडियो गीत श्रेणी में कलाकारों तथा रचनाकारों का दबदबा रहा तथा विजेता व उपविजेता के दोनों पुरस्कार रेवाड़ी ने हासिल किए। सांस्कृतिक संस्था बंजारा से वरिष्ठ रंगकर्मी खूब अधूपिया ने बताया कि रोहतक के सुपवा में आयोजित हीफा अवॉर्ड्स के चौथे राज्य स्तरीय समारोह में शॉर्ट फिल्म, हरियाणवी वीडियो गीत तथा कहानी लेखन के पुरस्कार भी वितरित किए गए, जिसमें हरियाणवी वीडियो गीत में रेवाड़ी की नाट्य संस्था बंजारा के निदेशक एवं बॉलीवुड के अभिनेता विजय भाटोटिया की ओर से निर्देशित हरियाणवी भजन 'कोई राम मिले भगवान' को विजेता तथा सांस्कृतिक संस्था मित्रम-के संचालक वरिष्ठ साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया की ओर से लिखित व श्रीजी एंटरटेनमेंट के संयोजक ऋषि सिंहल की ओर से निर्देशित हरियाणवी वीडियो गीत 'न्यारा हरियाणा सै' उपविजेता रहा, जिसका वीडियो संपादन सत्य प्रकाश सैनी व दिव्यांश जैन ने किया है तथा दोनों हरियाणवी वीडियो गीतों के गायक मुकेश वर्मा व गायिका मीनाक्षी पांचाल हैं।

रेवाड़ी। रोहतक में सम्मान ग्रहण करते ऋषि सिंहल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सुपवा के कुलपति डा. अमित आर्य मुख्य अतिथि रहे

दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति डा. अमित आर्य के मुख्य आतिथि में आयोजित समारोह में बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता यशपाल शर्मा तथा हरिओम कौशिक ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। एसोसिएशन के प्रधान जनार्दन शर्मा तथा महासचिव रामपाल बल्हारा के संयोजन में आयोजित समारोह में लोक धरोहर, लोक संस्कृति, साहित्य तथा सिनेमा के लिए डा. मानसिंह पूनिया, अनूप लाठर, राजेंद्र गौतम तथा हरीश कटारिया को हीफा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में रेवाड़ी का प्रतिनिधित्व विजय भाटोटिया, ऋषि सिंहल, खूब अधूपिया व सत्य प्रकाश सैनी ने किया। हरियाणवी संगीत एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में रेवाड़ी की उपलब्धि के लिए क्षेत्र की संस्थाओं, साहित्यकारों, संगीतकारों, कलाकारों तथा संगीत प्रेमियों ने बधाई दी है।

हीफा अवॉर्ड्स 'बकरी' को मिला थर्ड बेस्ट हरियाणवी शार्ट फिल्म का सम्मान

रेवाड़ी। हीफा का सम्मान प्राप्त करती बकरी फिल्म की टीम।

कोसली। हरियाणवी इनोवेटिव फिल्म एसोसिएशन हीफा की ओर से आयोजित चौथे वार्षिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हरियाणवी शार्ट फिल्म बकरी ने अपनी दमदार कहानी, भावनात्मक निर्देशन और उत्कृष्ट अभिनय के दम पर थर्ड बेस्ट हरियाणवी शार्ट फिल्म का प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। समारोह का आयोजन रोहतक में हुआ था, जिसमें हरियाणवी सिनेमा से जुड़े अनेक कलाकार, निर्देशक और फिल्म प्रेमी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में बालीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्देशक यशपाल शर्मा और हरियाणवी सिनेमा के वरिष्ठ निर्माता निर्देशक हरिओम कौशिक ने शिरकत की, जबकि दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति डा. अमित आर्य, कुलसचिव डा. गुंजन मलिक व महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के कुलपति राजबीर सिंह विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके पर कुलपति डा. अमित आर्य ने कहा कि हीफा और सुपवा दोनों का उद्देश्य रचनात्मकता को मंच देना और हरियाणवी कला को नई दिशा प्रदान करना है। हीफा के सचिव रामपाल बल्हारा ने बताया कि यह चौथा वार्षिक मिलन व सम्मान समारोह है। संस्था का उद्देश्य हरयाणवी संस्कृति को बढ़ाना और हरियाणवी कलाकारों को मंच प्रदान करना है।

शार्ट फिल्म बकरी की कहानी और संदेश समाज में व्याप्त उन भावनात्मक और सामाजिक मान्यताओं पर प्रकाश डालती है, जिनसे आम लोग अक्सर दो-चार होते हैं। फिल्म का निर्देशन आरजे भारद्वाज ने किया है, जिन्होंने कहानी को बेहद संवेदनशील और यथार्थपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। फिल्म में पारिवारिक संबंधों की गहराई, सामाजिक समरसता, भावनाओं का द्वंद्व और मानवता का संदेश बखूबी झलकता है। निर्माता सुरेश यादव का कहना है कि बकरी केवल एक कहानी नहीं, बल्कि एक सोच है, जो समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है।